गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-601

पाठ्यक्रम का शीर्षक: अकादमिक लेखन

श्रेयांक : 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	अकादमिक लेखन की सामान्य जानकारी तथा रुचि अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• अकादमिक लेखन से परिचित कराना। • अकादमिक लेखन के विविध आयामों से अवगत कराना। • अकादमिक लेखन की नैतिक ज़िम्मेदारियों को समझाना। • अकादमिक लेखन का अनुप्रयोग कराना।	
पाठ्य विषय	**1. अकादमिक लेखन : सामान्य परिचय** • अकादमिक : अवधारणा एवं स्वरूप • अकादमिक लेखन के सामान्य नियम • अकादमिक लेखन का महत्त्व • अकादमिक लेखन और रचनात्मक लेखन में अंतर	**15**
	2. अकादमिक लेखन : विविध आयाम • परिकल्पना एवं उद्देश्य • शोध सार लेखन • शोध प्रविधियाँ : चयन एवं अनुप्रयोग • साहित्यिक पुनर्विलोकन : प्रक्रिया एवं उपलब्ध माध्यम • भावानुवाद • संदर्भों एवं उद्धरणों की विविध पद्धतियाँ (एम॰एल॰ए॰ तथा महत्त्वपूर्ण हिंदी पत्रिकाओं में प्रयुक्त पद्धतियाँ)	**25**
	3. अकादमिक लेखन : नैतिक ज़िम्मेदारियाँ • साहित्यिक चौर्य : अर्थ एवं परिणाम	**10**

	• साहित्यिक चौर्य की जाँच के संसाधन • साहित्यिक चौर्य रहित लेखन	
	4. लघु शोध प्रस्ताव लेखन	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) आहुजा,राम. सामाजिक अनुसंधान. रावत पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली, 2008. 2) ओ'लियरी, ज़िना. रिसर्च प्रोजेक्ट करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन. सेज, नई दिल्ली, 2017. 3) कुमार,रंजीत. शोध कार्यप्रणाली. सेज, नई दिल्ली, 2017. 4) गणेशन, एस॰ एन॰ अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया. लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2021. 5) गुप्त, डॉ॰ उमाकांत एवं अन्य (सं॰). अनुसंधान स्वरूप और आयाम. वाणी प्रकाशन, 2016. 6) सिल्वरमैन, डेविड. गुणात्मक अनुसंधान. सेज, नई दिल्ली, 2018.	
अधिगम परिणाम	• अकादमिक लेखन का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। • अकादमिक लेखन के विविध आयामों से परिचित होंगे। • अकादमिक लेखन की नैतिक ज़िम्मेदारियों को समझेंगे। • अकादमिक लेखन का व्यावहारिक अनुप्रयोग करने में सक्षम होंगे।	